इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

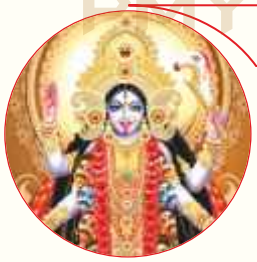

काम कला काली महाविद्या साधना

महाकाली जयंती - 15 अगस्त

कलियुग में केवल **काम कला काली महाविद्या साधना** ही है जो **शीघ्र फल** देती है तथा **शीघ्र** प्रसन्न होने वाली **देवी** है। साथ ही यह **साधना** साधक के जीवन से सभी **कष्टों** को मिटाने में **सक्षम** है। साथ ही, वह सभी **सुख-सुविधाओं, विलासिता** और **सद्भाव** से भरा जीवन जीने में **सक्षम** हो जाता है। **साधक** के सभी **इच्छाओं** की **पूर्ति,** जीवन के सभी **सुखों** की प्राप्ति व सभी **परेशानियों** से मुक्ति और जीवन में **शक्तिशाली** बनने में यह साधना **सक्षम** है।

गृहस्थ सुख काम्य प्रयोग

हरितालिका तीज - 26 अगस्त

योग्य जीवन साथी मिलना भी बिना **दैवीय कृपा** के सम्भव नहीं है। प्रायः देखने में आता है, कि व्यक्ति के पास **धन, मान, पद, प्रतिष्ठा** सभी कुछ होते हुये भी **अशान्ति** रहती है और इसका कारण होता है, **जीवन साथी** से **ताल-मेल** न बैठ पाना। इस **प्रयोग** द्वारा आपके **गृहस्थ जीवन** में **पूर्ण सुख, शान्ति, माधुर्य** एवं **सम्पन्नता** आ जाती है। समस्त प्रकार का **क्लेश, कलह** व **अभाव** समाप्त होता है एवं **पुत्र, पुत्री** उन्नति करते हैं तथा **निःसन्तान** को **सन्तान** प्राप्त होती है।

काल बन्धन साधना

ऋषि पंचमी - 28 अगस्त

काल के प्रभाव को **समझना** और उसे अपने **अनुकूल** कर लेना अब भी **सम्भव** है, इस **काल बंधन प्रयोग** से। इस प्रयोग को सम्पन्न करने से व्यक्ति **काल की गति** को समझने लगता है तथा काल को **पूर्णता** के साथ **बांधने का सामर्थ्य** प्राप्त कर लेता है। जिसके माध्यम से जीवन को किस प्रकार से **संचालित** किया जाये? **जीवन का मूल तत्त्व क्या है?** भौतिक दृष्टि से **जीवन** को अनुकूल किस प्रकार बनाया जाये? इस प्रयोग से **ज्ञात** किया जा सकता है।

अष्ट शक्ति सिद्धिदा ललिताम्बा साधना

ललिता सप्तमी - 30 अगस्त

ललिताम्बा साधना मात्र **भगवती की साधना** नहीं है अपितु उनके **आठों शक्ति स्वरूप** की भी **साधना** है, जो साधक को **रक्षात्मक, रोगनिवारक, शत्रुनिवारक, धनप्रदायक** रूप में प्राप्त होती है, जो इस **संघर्ष के युग** में **आवश्यक** है।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।